समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

कैबिनेट ने 10,000 करोड़ रुपये के 'स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0' को मंजूरी दी

Publisher

Published on 14 Feb 2026

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को '**स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0**' नामक योजना को **₹10,000 करोड़** के कोष के साथ मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य देश के **स्टार्टअप इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाना** है।

यह योजना **स्टार्टअप इंडिया पहल** का अगला चरण है और पहली बार 2016 में शुरू किये गए **फंड ऑफ फंड्स स्कीम** के सफल उपयोग के बाद इसे फिर से लागू किया गया है। सरकार ने इसे **संयुक्त बजट 2025-26** में शामिल किया था।

क्या है इसका मकसद ?

यह योजना मुख्य रूप से उन स्टार्टअप्स को मदद करेगी जिन्हें **दीर्घकालिक पूंजी की आवश्यकता** होती है — जैसे कि **डीप-टेक (गहन तकनीक)**, **नवाचार-आधारित विनिर्माण**, और शुरुआती चरण में सफलता पाने वाली कंपनियां।

सरकार का उद्देश्य है कि **उद्यम पूंजी (वेचंर कैपिटल)** में बढ़ोतरी हो और घरेलू निवेश से युवा नवप्रवर्तकों (उद्यमियों) को जोखिम-भरे विचारों में निवेश करने का अवसर मिले।

इस योजना के तहत पैसा सीधे स्टार्टअप्स में नहीं जाता है, बल्कि **SEBI-पंजीकृत वैकल्पिक निवेश कोष (AIFs)** को दिया जाता है, जो आगे इन फंड्स को स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं।

देश के स्टार्टअप्स को मिलेगा लाभ

भारत में अब तक **2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स** को आधिकारिक तौर पर मान्यता मिली है। ये कंपनियां डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, शिक्षा और अन्य कई क्षेत्रों में काम कर रही हैं। नई फंडिंग से इन स्टार्टअप्स को **और पैसा, और अवसर और विकास का मार्ग मिलेगा**।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम **नवाचार, नौकरी सृजन और आर्थिक विकास** को बढ़ावा देगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां

पूंजी की कमी नए विचारों को आगे बढ़ने से रोकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.